अमरकंटक पंचकल्याणक का शेष...

कमलों द्वारा द्वारा भगवान की मुनि दीक्षा व संस्कार देखने का परम सौभाग्य मिला ।

भगवान की मुनि दीक्षा के उपरांत छह माह की तपस्या के पश्चात तथा 6 माह के पडगाहन के उपरांत राजा सौम्य व राजा श्रेयांश के इक्षु रस के रूप में आहार ग्रहण किया । ज्ञान कल्याणक के दिन भगवान के समवशरण की सुंदर रचना प्रदर्शित की । सभी प्रतिमाओं की सूर्य मंत्र के द्वारा प्राण प्रतिष्ठा हुई। अगले दिन मोक्ष कल्याणक में सुबह 6:20 पर भगवान का मोक्ष दिखाया गया इसके पश्चात मुनि श्री प्रसादसागरजी महाराज के मुखारविंद से मोक्ष कल्याणक पर्व की विशेषताएं ज्ञात हुई तथा उन्होंने बताया कि मोक्ष कल्याणक के इस अवसर में आने से पहले उन्होंने आचार्य श्री से आशीर्वाद ग्रहण किया ।

भगवान के मोक्ष के पश्चात पूजन विधान व हवन संपन्न हुआ जिसके पश्चात दोपहर 2:00 बजे भव्य फेरी का आयोजन हुआ इस फेरी में स्वर्ण, रजत तथा ऐरावत रथ की झलक देखने को मिली । इस भव्य फेरी में स्वर्ण, रजत पर बिलासपुर समाज के गौरव कोयला परिवार तथा जैन समाज के गौरव आरके मार्बल ग्रुप के पाटनी परिवार को मिला । इसके पश्चात रजत व एरावत रथ पर सभी मुख्य पात्र उपस्थित रहे तथा इस फेरी में कुबेर इंद्र द्वारा रत्नों की वर्षा की गई ।

इसी के साथ सहस्त्र कूट जिनालय में रखी जाने वाली समस्त 1008 मूर्तियों का पंडाल से सहस्त्र कूट जिनालय में विराजमान करने हेतु गमन हुआ तथा एक-एक करके क्रेन के द्वारा सहस्त्र कूट जिनालय में इन मूर्तियों को प्रतिष्ठित किया गया । इसमें समस्त अमरकंटक समिति व आसपास के सभी जनों द्वारा सहयोग दिया गया । शाम में नवनिर्मित बड़े बाबा के मंदिर में भक्तामर व आरती का आयोजन किया गया इसके पश्चात भजन व भक्ति की गई जिसकी झंकार अमरकंटक की इन वादियों में गुंजायमान हुई। सर्वोदय तीर्थ अमरकंटक के इस नवनिर्मित सहस्त्र कूट जिनालय पर सभी प्रतिमाएं स्थापित है तथा हम सभी इसका धर्म लाभ ले सकते हैं । अमरकंटक में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा और गजरथ महोत्सव में शामिल होने के लिए देश के कोने कोने से जैन धर्मावलंबी अमरकंटक हजारों की संख्या में पहुंचे । यहां के मेला ग्राउंड में बने विशाल पंडाल में आयोजन की सारी प्रक्रियाएं संपन्न हुई। इनकी सुविधा के लिये अनूपपुर, पेण्ड्रारोड, बुढ़ार, शहडोल और बिलासपुर से निःशुल्क बस सेवा स्थानीय समाज द्वारा दी गई। इस भव्य पंचकल्याणक में बाहर से आए यात्रियों के रहने के लिए आवास व भोजन की समुचित व्यवस्था की गई ऐसे भव्य पंचकल्याणक समिति का सभी ने आभार व्यक्त किया।

जिओ और जीने दो के सन्देश के साथ निकली भगवान महावीर की शोभायात्रा।

राजेश जैन, झांसी । जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महामहोत्सव झाँसी नगर के सभी जैन मंदिरों में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

प्रातः काल कटरा मंदिर, सिविल लाइन, सदर बाजार, नगरा, करगुवां जी एवं अन्य जैन मंदिरों से प्रभात फेरी निकाली गई। श्वेत वस्त्रों में पुरुष वर्ग एवं पीले वस्त्रों में महिलाएं भगवान महावीर स्वामी के जियो और जीने दो के संदेश के साथ बधाई गीत गाते हुए ढोल नगाड़ों के साथ चल रहे थे। जगह-जगह भगवान महावीर की आरती की गई। प्रातः काल की बेला में करगुवां जी से भगवान महावीर स्वामी की विशाल पालकी शोभायात्रा निकाली गई। इसी समय करुणा स्थली पर भगवान महावीर स्वामी की विशाल पद्मासन मूर्ति का बड़े ही हर्षोल्लास व आनंद के साथ अभिषेक किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने उपस्थित रहकर पुण्यार्जन किया । शहर स्थित पंचायती बड़ा मंदिर से उपाध्याय विहसंत सागर एवं मुनि श्री अविचल सागरजी के सानिध्य में रथयात्रा निकाली गई जिसमें भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा विराजमान कर रथ यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गांधी भवन पहुंची । जहां रास्ते में इस शोभा यात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ और पुष्प वर्षा की गई। इस दौरान आयोजित धर्म सभा में आचार्य श्री विद्यासागरजी के परम शिष्य मुनि श्री अविचल सागरजी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीव दया ही मानव समाज का सबसे बड़ा धर्म है उन्होंने कहा कि गायों के लिए एक हाईटेक अस्पताल खुलने का संकल्प झांसी जैन समाज ने लिया है जिसे जल्द ही सभी के सहयोग से पूर्ण किया जायेगा। हालांकि महाराज श्री के आशीर्वाद एवं निर्देशन में दतिया सोनागिर में दया भावना फाउण्डेशन के अंतर्गत लगभग 20 बीघा जमीन में घायल पशुओं के इलाज के लिए एक हाईटेक अस्पताल का निर्माण प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि अभी तक झांसी ग्वालियर हाईवे पर पिछले 2 सालों में लगभग 1700 गायों का इलाज कर उनको पास की गौशाला में छोड़ दिया गया है। मूक पशुओं के लिए महाराजश्री के द्वारा किये जा रहे कार्यों के लिए पूर्ण बुन्देलखण्ड जैन समाज के अलावा अन्य समाज भी सराहना कर इस सेवा अभियान में तेजी से जुड़ रही है। संध्याकाल की बेला में बड़ा बाजार रामलीला मंच पर भगवान महावीर की दिव्य देशना हुई जिसमें उपाध्याय विहसंत सागरजी ने कहा कि भगवान महावीर का उपदेश जन-जन के लिए उपकारी है इसके साथ ही 1008 दीपकों से भगवान महावीर की महाआरती हुई । इस मौके पर भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य' नगर विधायक रवि शर्मा, राजेश जैन 'सभासद', प्रवीण जैन, शैलेंद्र जैन, राजीव जैन, राजेन्द्र जैन, सतीश जैन, रमेश अच्छरौनी, विजय जैन, राजकुमार भंडारी, डॉ जिनेंद्र जैन, डॉ. निर्देश जैन, डॉ. अर्पित जैन, डॉ. विपिन जैन,

गौरव जैन अंकित सराफ, मनोज सिंघई, मनोज जैन, जितेंद्र जैन, अरिहंत जैन, उमंग जैन, महेशचंद जैन, बी.के. जैन **IFS,** दुष्यंत जैन, बाहुबली जैन आदि सैकड़ो की संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। इसके साथ ही झांसी शहर के प्रमुच चौराहे इलाइट पर जैन मिलन झांसी, दया भावना फाउण्डेशन एवं भारत विकास परिषद रानी झांसी शाखा की ओर से मीठे दूध एवं ठंडाई का वितरण किया गया जिसमें मुख्य रुप से राजेश जैन, दीपक वार्ष्णेय, राजीव जैन, बीके जैन, दीपक जैन, सनी जैन, नितेश जैन, विनय जैन, चंद्रकांत गोयल, विनय अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, जुगल अग्रवाल, शैलेन्द्र अग्रवाल, भानू अग्रवाल, प्रभास खंडेलवाल, विशाल बत्रा, राशि जैन, कमलेश जैन, रुचि जैन, आयुषी जैन, अंजना जैन, सुनीता जैन, रंजना जैन, स्मिता जैन, सविता जैन, रागिनी जैन, रजनी जैन, दिप्सी जैन आदि उपस्थित रहे।

भगवान महावीर के जन्म कल्याणक के अवसर पर निकाला गया भव्य चल समारोह

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा । संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका माँ अनंतमति माताजी ससंघ के सानिध्य में भगवान महावीर का जन्मकल्याण महोत्सव बड़े ही भक्तिभाव के साथ मनाया गया। जन्महोत्सव के उपलक्ष में सकल जैन समाज के द्वारा एक भव्य चल समारोह का आयोजन किया गया। चल समारोह श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर धूसरपूरा से प्रारंभ होकर, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर गांधी चौक से सावरकर चौक, जय स्तंभ चौक, सुभाष चौक, मिल रोड होते हुए महावीर विहार पहुंचा । विमान जी चल समारोह में क्रमशः ऐरावत हाथी, अश्व रथ, अष्ट प्रातिहार्य, पाठशाला के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा तैयार की गई सुंदर झांकीयां, झांकियों के पीछे भजन मंडली, उसके बाद बालिका मंडल एवं महिला मंडल द्वारा दिव्य घोष के साथ आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई । महिला मंडल के पीछे अनंतमति सहित 12 आर्यिका माताजी चल समारोह को सुशोभित कर रही थीं। आर्यिका माताजी के बाद चल समारोह में नगर के सभी प्रमुख सेवादल के युवा अपने अपने दिव्यघोषों से नगर को गुंजायमान कर रहे थे। सेवादल के पीछे भगवान महावीर चांदी की पालकी में विराजमान होकर नगर के प्रमुख मार्गों से निकले। सभी पुरुष श्वेत वस्त्र एवं महिलाएं केसरिया साड़ी पहनकर चल समारोह में सम्मिलित हुई । नगर के प्रमुख मार्गों एवं प्रमुख चौराहों को दुल्हन की तरह सजाया गया। सभी धर्म प्रेमी बंधुओं ने अपने-अपने घर के बाहर निकलकर विमान में विराजमान भगवान महावीर की आरती एवं वंदना की। रघुकुल युवा परिषद सहित कई सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने जुलूस में सम्मिलित धर्मावलंबियों का जलपान से स्वागत किया। स्थानीय विधायक लीना जैन सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने चल समारोह में सहभागिता की। चल समारोह का समापन स्थानीय महावीर विहार प्रांगण में किया गया। महावीर विहार पहुंचे सभी धर्म प्रेमी बंधुओं को माताजी की मंगल देशना सुनने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ । प्रवचन के उपरांत भगवान महावीर के मस्तक पर अभिषेक एवं शांति धारा करने का सौभाग्य उपस्थित जन समुदाय को प्राप्त हुआ । दोपहर में स्थानीय जय स्तंभ चौक पर श्री आदिनाथ त्रिमूर्ति दिगम्बर जैन मंदिर के तत्वावधान एवं सकल जैन समाज के सहयोग से मिष्ठान वितरण का आयोजन किया गया । रात्रि में 108 दीपकों से भगवान की महाआरती एवं बधाई गीत का आयोजन हुआ और नगर की सभी पाठशालाओं के छोटे-छोटे बच्चों एवं महिलाओं द्वारा आकर्षक नाट्य प्रस्तुति दी गई। चल समारोह में स्थानीय पुलिस प्रशासन का भरपूर सहयोग रहा । भगवान महावीर जन्म महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री त्रिमूर्ति जिनालय बरेठ रोड मंदिर समिति के तत्वावधान में पंछियों के लिए जल पात्र एवं नगर के मुख्य चौराहे पर मिष्ठान वितरण किया गया।

ग्वालियर में भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव की झलकियाँ...

इन्दौर के महालक्ष्मी नगर में महावीर जयंती की शोभा यात्रा

निर्माणाधीन मंदिर अंबिकापुर परमहंस नगर, इन्दौर सुबह की प्रभात फेरी की झलकी